B.A. Part-I Hons session 2019 -20
Girija uranw Deptt of Psy Paper IInd
R.M.C. Sasaram

स्वप्न की विशेषताएं (characteristics of dreams) स्वप्न की निम्नलिखित प्रधान विशेषताएँ हैं —

(i) स्वप्न प्रतिगामी होते हैं।
(ii) स्वप्न सार्थक होते हैं।
(iii) स्वप्न आत्मगत तथा आत्मकेन्द्रित होते हैं।
(iv) स्वप्न विभ्रमात्मक होते हैं।
(v) स्वप्न दृश्य प्रधान होते हैं।
(vi) स्वप्न में इच्छापूर्ति का प्रयास होता है।
(vii) स्वप्न का संबंध अचेतन मन में रहता है।

स्वप्न के प्रकार (Kinds of dream)

(i) चिन्ता स्वप्न anxiety dream
(ii) भयावह स्वप्न Nightmares
(iii) क्रियात्मक स्वप्न Kinesthetic
(iv) भविष्यवक्ता स्वप्न prophetic
(v) पुनरावर्तक स्वप्न Recurrent dreams

स्वप्नों का अन्तर्विषय (contents of dream) स्वप्न के दो मुख्य अन्तर्विषय है —

(i) स्वप्न का व्यक्त विषय (Manifest content)
(ii) स्वप्न का अव्यक्त विषय (Latent content)

हम सभी प्रायः रात में सुषुप्तावस्था में स्वप्न देखते हैं। जागने के बाद देखे गए स्वप्न को कुछ याद रखते हैं और कुछ भूल जाते हैं। कुछ अपने मित्र को सुनाते हैं और कुछ नहीं सुनाते। कभी-कभी अपने मित्र को अपने स्वप्न को सुनाते समय उसकी कुछ कड़ियों को भूल जाते हैं। फिर भूली हुई कड़ी जोड़ कर सुनाते हैं।

Scanned with CamScanner

कभी-कभी निरर्थक और अनर्गल अंशों को गायब कर देते हैं और सार्थक ढंग से मित्र को सुनाते हैं। यह सब कुछ स्वप्न का व्यक्त विषय (Manifest content) हुआ।

परन्तु हम जो स्वप्न देखते हैं मित्र को सुनाते हैं एवं उसकी जो व्याख्या देते हैं वह व्याख्या वास्तव में सही नहीं होता है। स्वप्न के पिछे असली कारण कुछ और होता है जिसे साधारण ढंग से नहीं जाना जा सकता है। इसे तो कुछ मनोवैज्ञानिक उपायों के सहारे ही समझा सकता है या स्वप्न के पिछे जो असली कारण है उसका पता लगाया जा सकता है। ऐसे कुछ उपायों में स्वप्न विश्लेषण आदि प्रमुख हैं। इसके वास्तविक कारण तो अचेतन में छिपे होते हैं। स्वप्नों के पिछे छिपे इसी असली एवं वास्तविक कारण को स्वप्न का अव्यक्त विषय या Latent content कहते हैं।

Scanned with CamScanner